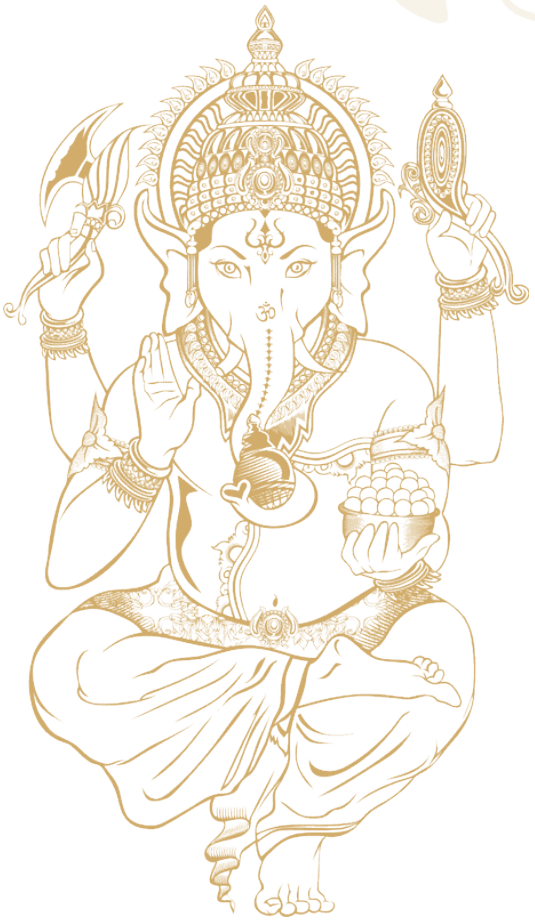

V

04 May 2000

04:00 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121506105

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**3-04/05/2000**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	55:52:49 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:38:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:09 घंटे
साम्पातिक काल	18:27:22 घंटे
सूर्योदय	05:38:52 घंटे
सूर्यास्त	18:57:35 घंटे
दिनमान	13:18:43 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	19:55:03 मेष
लग्न के अंश	15:53:02 मीन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मीन - गुरु
राशि-स्वामी	**मेष - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**भरणी - 2**
नक्षत्र स्वामी	शुक्र
योग	आयुष्मान
करण	नाग
गण	मनुष्य
योनि	गज
नाड़ी	मध्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	चतुष्पाद
वर्ग	मृग
युँजा	पूर्व
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	लू-लूसी
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - स्वर्ण
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	वृष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मीन	15:53:02	511:10:57	उ०भाद्रपद	4	26	गुरु	शनि	गुरु	---
सूर्य			मेष	19:55:03	00:58:11	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	राहु	उच्च राशि
चंद्र			मेष	16:41:49	14:29:51	भरणी	2	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	सम राशि
मंगल			वृष	06:14:11	00:42:08	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	सम राशि
बुध		अ	मेष	13:50:01	02:05:01	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु		अ	मेष	23:00:40	00:14:17	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
शुक्र			मेष	09:36:53	01:13:52	अश्विनी	3	1	मंगल	केतु	शनि	सम राशि
शनि		अ	मेष	25:41:46	00:07:42	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	नीच राशि
राहु	व		कर्क	03:42:09	00:11:02	पुष्य	1	8	चंद्र	शनि	शनि	शत्रु राशि
केतु	व		मक	03:42:09	00:11:02	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	शनि	शत्रु राशि
हर्ष			मक	26:46:48	00:01:03	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	---
नेप			मक	12:42:37	00:00:09	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	राहु	---
प्लूटो	व		वृश्चि	18:25:22	00:01:22	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
दशम भाव			धनु	12:25:17	--	मूल	--	19	गुरु	केतु	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:51:26

लग्न-चलित

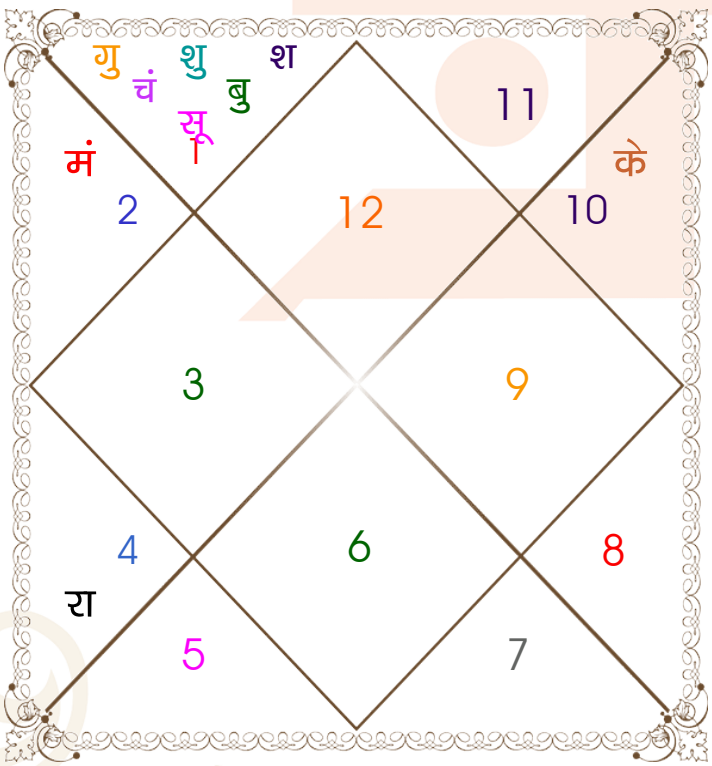

चन्द्र कुंडली

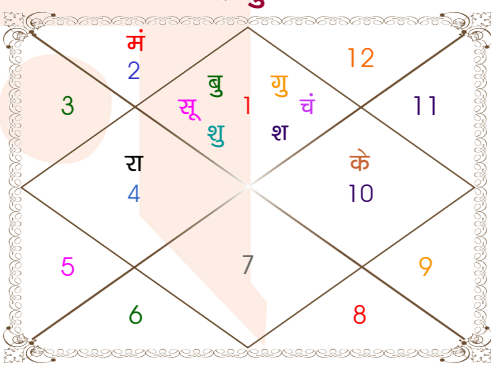

नवमांश कुंडली

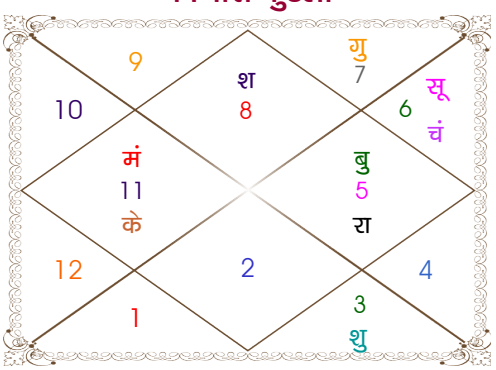

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शुक्र 14 वर्ष 11 मास 13 दिन

शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष	
04/05/2000		18/04/2015		17/04/2021		18/04/2031		18/04/2038	
18/04/2015		17/04/2021		18/04/2031		18/04/2038		17/04/2056	
	00/00/0000	सूर्य	05/08/2015	चंद्र	16/02/2022	मंगल	14/09/2031	राहु	29/12/2040
	04/05/2000	चंद्र	04/02/2016	मंगल	17/09/2022	राहु	02/10/2032	गुरु	24/05/2043
चंद्र	17/04/2001	मंगल	11/06/2016	राहु	18/03/2024	गुरु	07/09/2033	शनि	30/03/2046
मंगल	17/06/2002	राहु	06/05/2017	गुरु	18/07/2025	शनि	17/10/2034	बुध	17/10/2048
राहु	17/06/2005	गुरु	22/02/2018	शनि	16/02/2027	बुध	14/10/2035	केतु	04/11/2049
गुरु	16/02/2008	शनि	04/02/2019	बुध	17/07/2028	केतु	12/03/2036	शुक्र	04/11/2052
शनि	18/04/2011	बुध	11/12/2019	केतु	15/02/2029	शुक्र	12/05/2037	सूर्य	29/09/2053
बुध	16/02/2014	केतु	17/04/2020	शुक्र	17/10/2030	सूर्य	17/09/2037	चंद्र	31/03/2055
केतु	18/04/2015	शुक्र	17/04/2021	सूर्य	18/04/2031	चंद्र	18/04/2038	मंगल	17/04/2056

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
17/04/2056		17/04/2072		18/04/2091		18/04/2108		19/04/2115	
17/04/2072		18/04/2091		18/04/2108		19/04/2115		00/00/0000	
गुरु	05/06/2058	शनि	21/04/2075	बुध	14/09/2093	केतु	14/09/2108	शुक्र	18/08/2118
शनि	17/12/2060	बुध	29/12/2077	केतु	11/09/2094	शुक्र	14/11/2109	सूर्य	19/08/2119
बुध	25/03/2063	केतु	07/02/2079	शुक्र	12/07/2097	सूर्य	22/03/2110	चंद्र	05/05/2120
केतु	28/02/2064	शुक्र	08/04/2082	सूर्य	18/05/2098	चंद्र	21/10/2110		00/00/0000
शुक्र	29/10/2066	सूर्य	21/03/2083	चंद्र	17/10/2099	मंगल	19/03/2111		00/00/0000
सूर्य	18/08/2067	चंद्र	20/10/2084	मंगल	15/10/2100	राहु	06/04/2112		00/00/0000
चंद्र	17/12/2068	मंगल	29/11/2085	राहु	04/05/2103	गुरु	13/03/2113		00/00/0000
मंगल	23/11/2069	राहु	05/10/2088	गुरु	09/08/2105	शनि	22/04/2114		00/00/0000
राहु	17/04/2072	गुरु	18/04/2091	शनि	18/04/2108	बुध	19/04/2115		00/00/0000

- ❖ उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शुक्र 14 वर्ष 11 मा 3 दि होता है।
- ❖ उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र के चतुर्थ चरण में मीन लग्न में हुआ था। ज्योतिषीय आकृति से यह स्पष्ट हो रहा है कि आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर लग्नोदय के साथ-साथ वृश्चिक नवमांश एवं कर्क राशि का द्रेष्काण भी उदित था। अंत में आपके जीवन की परियोजना की आकृति आपको विपुल संपत्ति से युक्त एवं समृद्धिशाली बनाती है। परंतु आपके सामने अबरुद्धता पेश आएगी। यह अवरुद्धता अनिश्चितता की ओर सूचित करती है तथा वृश्चिक नवमांश बिन्दु संभावित मनोवृति के अनुसार आपको अर्थहीन एवं रोगादि की सूचना देते हैं। परंतु आपकी जन्म यह सूचित करती है कि आपका जन्म नवमांश प्रभाव एवं जन्मराशि तथा भाग्य के मध्य प्रतिद्वन्द्विता उत्पन्न करता है। अंत में जन्म लग्न मीन एवं उत्तरा भाद्रपद नक्षत्र यह दोनों अपनी शुभता के अनुसार आपके जीवन को स्वस्थ, धनी, आनंदायक बनाने के लिए बचन बद्ध होकर आशांवित करता है।

इसलिए परिस्थिति के अनुकूल आपकी पकड़ के प्रभाव से आपकी संपूर्ण उन्नति संभाव्य है जबकि आप अवरोधक तत्व को जीवन की सफलता हेतु हटा दे। आपमें इन मुद्दों को संघर्ष पूर्वक निरस्तर एवं पराजित करने के आवश्यक गुण विद्यमान है। आप निश्चित रूप से उभर कर उच्च पद प्राप्त करेंगी। आपको अपनी दो विशेषताओं का परित्याग करना पड़ेगा। वासना एवं आकर्षित होना यह दोनों आदतें बुरी हैं। आपके जीवन में वासना के प्रति सम्मोहित हो जाना तथा रूचिवान बनना महत्त्वपूर्ण वस्तु है, तथा मद्यपान के प्रति बहुत अधिक प्रभावित होना। यह एक शाप के समान है। आप सावधानी पूर्वक इस प्रवृति का परित्याग करें। अन्यथा आप इन चीजों में आसक्त हो जाएंगी।

यदि आप इन दो नकारात्मक वस्तुओं पर विजय प्राप्त कर ली तो निश्चित रूप से सुखद बात-चीत के योग्य अपना जीवन व्यतीत कर सकती हैं तथा धन्नादि के संबंध में बहुत प्राप्ति कर सकेंगी। परंतु आपको अपनी फिजूल खर्चीली प्रवृति के प्रति विमुख होना होगा। यदि इसी प्रकार की फिजूल खर्ची के माध्यम से धन बाहर निकलता रहा तो आपकें धन प्राप्ति के माध्यम दुर्बल हो जाएंगे। इस प्रकार यदि आप अपने जीवन में एक मत से अपने कार्य व्यवसाय के प्रति सुनिश्चित होकर कार्यान्वित करती रहे तो आप अपने कार्य-व्यवसाय में उच्चता प्राप्त कर सकती हैं। आप एक प्यारे पति आज्ञाकारी पुत्र एवं प्रपौत्र के साथ प्रसन्नतम पारिवारिक जीवन यापन करेंगी।

आप अच्छी प्रकार बुद्धिमत्ता पूर्वक अपने अधिनस्थ प्रबंध व्यवस्था कर ली तो आप समाज में विख्यात एवं प्रतिष्ठित होंगी। आप सर्वथा अपनी मित्र मंडली के साथ संबंधित रहेंगी। लेकिन आपके सतर्कतापूर्वक यह अंगीकृत करना चाहिए कि आपके कुछ मित्र कुटिलतापूर्वक आपके विरुद्ध आचरण करेंगे। अतएव सर्वप्रथम उनकी मनोवृति का गहन अध्ययन कर के ही उन पर विश्वास किया जाए।

वैसे मीन राशीय प्राणी सामान्यतः भावुक होते हैं परंतु आप इस प्रवृति से परे हैं। यह गुण आपको आश्चर्यजनक स्तर का निर्माण कराता है। इस प्रकार यदि आप

बुद्धिमत्तापूर्वक काव्य की रचना अथवा चित्रकारिता अथवा गायन के प्रति रूचिवान रही तो एक सफल गायक कलाकार हो सकती हैं तथा कलाकारिता के क्षेत्र में चमत्कृत हो सकती हैं। आप हर दृष्टिकोण से धार्मिक बुद्धि की महिला हैं। आप भगवान के प्रति श्रद्धा और विश्वास रखती हैं। यदि आप बार-बार या सतत धार्मिक आचरण करती रही तो जीवन में आपकी महत्वकांक्षा विकसित होगी तथा पुर्नजन्म के बंधन से मुक्त हो कर मोक्ष की प्राप्ति करेंगी।

यदि आप अपने जीवन पथ पर किसी भी प्रकार से अग्रसर होना चाहती हैं तो उत्तम यह है कि निम्नांकित निर्देशों का पालन करें।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में उत्तम मंगलवार, गुरुवार एवं शनिवार का दिन भाग्यशाली है। इसके अतिरिक्त सप्ताह के बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन प्रतिकूल है। इन दिनों किसी भी प्रकार का महत्त्वपूर्ण कार्य अथवा व्यवसाय आदि का निर्णय या व्यवहार न करें।

आप रंगों में नीले रंग को छोड़ कर शेष रंग लाल, गुलाबी, नारंगी एवं पीले रंग का उपयोग अपने जीवन में करें। ये रंग आपके हित अनुकूल एवं प्रसन्नतादायक है।